ज्ञानदीप

(त्रैमासिक सूचना पत्र)

भारतीय रेल सिविल इंजीनियरी संस्थान, पुणे – 411 001

आई. एस. ओ. : 9001 प्रमाणित भारतीय रेल का
प्रथम केंद्रीकृत प्रशिक्षण संस्थान

संस्थान – डी ओ टी (020)
26122271, 26123436
26123680, 26113455
रेलवे – 55222, 55862

छात्रावास – डी ओ टी (020)
26130579, 26126816
26121669
रेलवे – 55980, 55981, 55976

फैक्स : 020-26128677
रेलवे : 55860,
ई–मेल : mail@iricen.gov.in
टेलीग्राम : रेलपथ
वेब साइट : www.iricen.gov.in

वर्ष – 12 **अंक – 47** **जुलाई – सितंबर 2008**

इस अंक में

1. माननीय रेल राज्यमंत्री श्री आर. वेलु का इरिसेन दौरा
2. राजीव गांधी राष्ट्रीय ज्ञान –विज्ञान मौलिक पुस्तक लेखन पुरस्कार योजना
3. संस्थान में राजभाषा सप्ताह का आयोजन
4. राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 100 वीं बैठक
5. मुख्य रेलपथ इंजीनियरों का सेमिनार
6. प्रधान मुख्य इंजीनियरों का सेमिनार
7. स्वतंत्रता दिवस समारोह
8. उपलब्धियां
9. अन्य पाठ्यक्रम
10. बधाई
11. स्वागत / विदाई
12. बधाई / शुभकामनाएं
13. शब्द ज्ञान
14. सृजन

1. माननीय रेल राज्यमंत्री श्री आर. वेलु का इरिसेन दौरा

श्री आर.वेलु, माननीय रेलराज्य मंत्री ने दि. 31 जुलाई एवं 01 अगस्त, 2008 को इरिसेन का दौरा किया। उन्होने संस्थान एवं छात्रावास में सुविधाओं का निरीक्षण किया। प्रशिक्षु अधिकारियों, संकाय सदस्यों एवं कर्मचारियों को भी उन्होंने संबोधित किया। इरिसेन की नई पुनर्सज्जित वेबसाइट में ब्लॉग्स, ऑन-लाइन रजिस्ट्रेशन इत्यादि का प्रावधान है, जिसका उद्घाटन माननीय रेल राज्यमंत्री के कर कमलों द्वारा किया गया। वे इरिसेन में उपलब्ध इंफ्रास्ट्रक्चर्स से बहुत प्रभावित हुए जैसा कि अतिथि पुस्तिका में लिखे गए उद्गार से भी परिलक्षित होता है :–



माननीय रेलराज्य मंत्री अधिकारियों को संबांधित करते हुए

''भारतीय रेल सिविल इंजीनियरी संस्थान एक महत्वपूर्ण संस्थान है, यह नए भर्ती एवं सेवारत दोनों के प्रशिक्षण/अद्यतन ज्ञान इत्यादि की आवश्यकताओं का प्रबंध करता है। मैंने पाया कि निदेशक एवं उनके कर्मी समर्पित हैं तथा संगठन को सभी आधुनिक सुविधाओं एवं संभार तंत्र के साथ रखते हैं।'' अनुसंधान प्रयोगशाला विशेष उल्लेख के योग्य है ।ISO-9001 प्रमाणीकरण के साथ छात्रावास एक स्टार होटल की पर्याप्त सुविधा के साथ खुशनुमा ठहराव का आमंत्रण देता है। शुभकामनाओं सहित।''



माननीय रेल राज्यमंत्री संस्थान का निरीक्षण करते हुए

अपराह्न में माननीय रेलराज्य मंत्री एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में उपस्थित हुए। इस अवसर पर उनके साथ अपर महाप्रबंधक/मध्य रेल, निदेशक, इरिसेन एवं मंडल रेलप्रबंधक/मध्य रेल, पुणे भी उपस्थित थे। इरिसेन के संकाय सदस्यों एवं कर्मचारियों द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्य की सराहना में माननीय रेल राज्यमंत्री ने इरिसेन को रु.1 लाख की सामूहिक पुरस्कार की घोषणा की ।

2. राजीव गांधी राष्ट्रीय ज्ञान –विज्ञान मौलिक पुस्तक लेखन पुरस्कार योजना

संस्थान के पूर्व प्राध्यापक, पुल श्री घनश्याम बंसल, द्वारा लिखित पुस्तक **'कंक्रीट टक्नॉलॅजि'** को राजीव गांधी राष्ट्रीय –ज्ञान–विज्ञान मौलिक पुस्तक लेखन पुरस्कार योजना में सांत्वना पुरस्कार मिला है। 14 सितंबर, 08 को हिंदी दिवस के अवसर पर महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा पाटिल जी के कर–कमलों द्वारा श्री बंसल को रु.10,000 नकद, प्रमाणपत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया। इरिसेन परिवार श्री बंसल की सफलता के लिए बधाई देता है एवं उत्तरोतर प्रगति की शुभकामनाएं देता है।



राष्ट्रपति के कर–कमलों द्वारा पुरस्कार ग्रहण करते हुए श्री बंसल

संरक्षक
ए. के. गोयल
निदेशक
भा.रे.सि.इं.सं.पुणे

मुख्य संपादक
मनोज अरोड़ा
उप मुख्य राजभाषा अधिकारी
एवं प्राध्यापक – कार्य

संपादक
अरुणाभा ठाकुर
राजभाषा अधीक्षक

3. संस्थान में राजभाषा सप्ताह का आयोजन



राजभाषा सप्ताह के उद्घाटन समारोह का दृश्य

भारतीय रेल सिविल इंजीनियरी संस्थान, पुणे में दिनांक 17 से 23 सितंबर, 2008 तक राजभाषा सप्ताह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में निदेशक श्री अशोक कुमार गोयल ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्ज्वलित करते हुए राजभाषा सप्ताह समारोह का विधिवत उद्घाटन किया। उसके बाद निदेशक तथा उप मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्राध्यापक कार्य, श्री मनोज अरोड़ा ने प्रोत्साहक भाषण दिया। तत्पश्चात सोलापुर मंडल सांस्कृतिक अकादमी के सौजन्य से 'रुकती सांसें बट शो मस्ट गो ऑन' नाटक का सफल मंचन किया गया। सप्ताह के दूसरे दिन प्रश्न मंच कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें संकाय सदस्यों, प्रशिक्षु अधिकारियों और कर्मचारियों ने जोश के साथ हिस्सा लिया। तीसरे और चौथे दिन निबंध, वाक्, टिप्पण एवं आलेखन तथा आशुलिपि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। 23 सितंबर को राजभाषा सप्ताह के समापन समारोह के अवसर पर हिंदी निबंध, वाक्, टिप्पण एवं आलेखन तथा आशुलिपि प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त कर्मचारियों को प्रोत्साहन स्वरुप पुरस्कार प्रदान किया गया। अंत में पुणे मंडल सांस्कृतिक अकादमी के कलाकारों ने जनसंपर्क अधिकारी श्री वाई.के.सिंह के नेतृत्व में रंगारंग



'रुकती सांसें बट शो मस्ट गो ऑन' नाटक मंचन का दृश्य

4. राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 100 वीं बैठक



राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 100वीं बैठक का दृश्य

दिनांक 30 जून, 08 को समाप्त तिमाही की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 100वीं बैठक दिनांक 29/07/08 को आयोजित की गई। बैठक में मुख्य रुप से हिंदी वेबसाइट को उन्नत करने तथा मेंटेनेंस ऑफ कंक्रीट स्लीपर ट्रैक (रोल ऑफ गैंग मैन) का हिंदी में डबिंग कराने का निर्णय लिया गया।

5. मुख्य रेलपथ इंजीनियरों का सेमिनार

दिनांक 27 से 29 अगस्त, 2008 को इरिसेन में मुख्य रेलपथ इंजीनियरों का सेमिनार आयोजित किया गया। विभिन्न क्षेत्रीय रेलों के मु.रे.इंजी./मु.रे.इंजी. (रेलपथ मशीन) एवं रेलवे बोर्ड एवं अ.अ.मा.सं. से संबंधित कार्यकारी निदेशक सेमिनार में उपस्थित हुए। रेलपथ एवं रेलपथ


मुख्य रेलपथ इंजीनियरों के सेमिनार का दृश्य

मशीन से संबंधित विभिन्न मदों पर विचार-विमर्श किया गया। इरिसेन द्वारा 'शोल्डर क्लिनिंग वर्सेस डीप स्क्रिनिंग,' मेसर्स पाटील फ्लिडरर ट्रैक सिस्टम लिमि. द्वारा 'कंपोजिट स्लीपर', इरिसेन द्वारा 'इंम्प्रुविंग यूटिलाइजेशन ऑफ स्मॉल ट्रैक मशीन', इरिसेन द्वारा 'ट्रैक स्ट्रक्चर एवं ट्रैक ज्योमेटरी हाई स्पीड कॉरिडोर', मु.इं./रेलपथ (मशी.) उ.रे. द्वारा' क्रिटिकल इशुज ऑन यूटिलाइजेशन ऑफ ट्रैक मशीन', मेसर्स प्लाजर इंडिया द्वारा 'लेटेस्ट डेवलपमेंट इन ट्रैक मशीन', और 'न्यू फीचर्स ऑफ इरिसेन वेबसाइट' विषयों पर प्रस्तुतीकरण दिए गए। प्रतिभागियों ने उपरोक्त प्रस्तुतीकरणों की बहुत सराहना की। क्षेत्रीय रेलों के प्रतिभागियों को प्रत्येक प्रस्तुतीकरण की एक प्रति उनकी जानकारी के लिए दी गई। मु.रे.इंजी./उ.रे. ने अपने समापन संबोधन में सेमिनार के दौरान व्यवस्थाओं, प्रदर्शन/प्रस्तुतीकरण हेतु संतुष्टि जाहिर की। निदेशक/इरिसेन ने अपने समापन संबोधन में सभी प्रतिभागियों के सक्रिय सहभागिता को ही सेमिनार की सफलता का कारण बताया। उन्होंने स्भी प्रतिभागियों से अनुरोध किया कि अपनी /रेलों में ज्ञान के प्रसार एवं किए गए अच्छे कार्य को प्रसारित करने के लिए इरिसेन वेबसाईट का पूरा उपयोग करें। धन्यवाद ज्ञापन द्वारा सेमिनार के समापन की घोषणा की गई।

6. प्रधान मुख्य इंजीनियरों का सेमिनार


प्र.मु.इंजी. के सेमिनार का दृश्य

दिनांक 15-16 सितंबर, 08 को प्रधान मुख्य इंजीनियरों का सेमिनार आयोजित किया गया। जनवरी, 08 में आयोजित प्रधान मुख्य इंजी. के सेमिनार की सिफारिशों पर दी गई टिप्पणी की समीक्षा की गई। दिनांक 16 जनवरी, 08 को सदस्य इंजीनियरी ने सेमिनार में प्रतिभागियों को संबोधित किया। विभिन्न क्षेत्रीय रेलों की कार्यसूची की मदों पर चर्चा की गई। सेमिनार के दौरान निदेशक/ इरिसेन द्वारा 'इंट्रोडक्शन टू हाई स्पीड', व.प्रा. रेलपथ-। श्री राजेश कुमार द्वारा 'हाई स्पीड', जे.सी. वोलेरी, सिस्ट्रा/फ्रांस द्वारा 'सिविल स्ट्रक्चर फॉर हाई स्पीड रेल', श्री पी.के.गर्ग, व.प्रा रेलपथ-2 द्वारा 'रिलायबिलिटी ऑफ यूएसएफडी टेस्टिंग एंड प्रैक्टिसेस वर्ल्ड ओव्हर', श्री नरेश लालवानी, व.प्रा.पुल-2 द्वारा 'यूनिफाइड एसओआर', पेन्ड्रॉल राही टेकनॉलॅजि द्वारा' फासनिंग सिस्टम फॉर हेवी हाउल ऑपरेशन', श्री ए. के.अग्रवाल, व.प्रा.प्रोजेक्ट द्वारा 'ब्रिचेज एंड फ्लड', श्री सुरेश गुप्ता, सं.अ. द्वारा 'अ रिव्यू ऑफ स्मॉल ट्रैक मशीन', श्री एस.के.गर्ग, व.प्रा./कार्य द्वारा 'फार्मेशन ट्रीटमेंट' इत्यादि पर प्रस्तुतीकरण दिए गए। प्रतिभागियों ने सेमिनार की बहुत प्रशंसा की।

7. स्वतत्रंता दिवस समारोह



स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में निदेशक द्वारा ध्वजारोहण समारोह

संस्थान में स्वतंत्रता दिवस समारोह धूमधाम से मनाया गया। निदेशक श्री अशोक कुमार गोयल ने ध्वजारोहण किया तथा उपस्थित समुदाय को संबोधित किया। तत्पश्चात संकाय सदस्यों एवं कर्मचारियों द्वारा संस्थान के ऑडिटोरियम में देशभक्ति से ओतप्रोत एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया।

8. उपलब्धियां

- इथोपिया एवं सेल से एक–एक प्रशिक्षु अधिकारी दिनांक 14.07.08 से 08.08.08 तक (4 सप्ताह) सत्र सं. 823 के वरिष्ठ व्या.पाठ्यक्रम (रेलपथ) में शामिल हुए।

9. अन्य पाठ्यक्रम :

- दि.14 जुलाई से 08 अगस्त 08 तक वरिष्ठ व्यावसायिक पाठ्यक्रम ।
- दि. 18 अगस्त से 22 अगस्त,08 तक भा.रे.वि.इं.से. (परि.) के लिए चरण 1 जागरुकता पाठ्यक्रम ।
- दि. 18 अगस्त से 22 अगस्त 08 तक भा.रे.भं.से. (परि.) के लिए जागरुकता पाठ्यक्रम ।
- दि.29 सितंबर से 10 अक्तूबर,08 तक ECOWAS के लिए विशेष

10. बधाई



- संस्थान में कार्यरत श्री राजेश कुमार, प्राध्यापक–रेलपथ की वरिष्ठ प्रशासनिक श्रेणी में पदोन्नति पर नियुक्ति संस्थान में ही वरिष्ठ प्राध्यापक/ रेलपथ–1 के रूप में हुई है। इरिसेन परिवार इन्हें हार्दिक बधाई देता है।
- संस्थान में कार्यरत श्री महेन्द्र मलकप्पा, झेराक्स ऑपरेटर तथा श्री गोविंद राजन आर., वरिष्ठ खलासी की नियुक्ति समूह ''घ'' से ''ग'' श्रेणी में चयन परीक्षा के आधार पर अवर लिपिक के पद पर हुई है। इरिसेन परिवार इन्हें हार्दिक बधाई देता है।

11. स्वागत/विदाई

• स्वागत



• भारतीय रेल इंजीनियरी सेवा 1987 बैच के अधिकारी, श्री अनूप कुमार अग्रवाल ने इरिसेन में माह जून, 2008 में वरिष्ठ प्राध्यापक/प्रोजेक्ट का प्रभार संभाल लिया है। इरिसेन में नियुक्ति से पहले आप उप मु.इंजी./निर्माण,चर्चगेट पर कार्यरत थे। आपने आई आई टी, दिल्ली से बी.टेक की उपाधि प्राप्त की । आपने वरि.मं.इंजी. (समन्वय)/मुंबई सेंट्रल, महाप्रबंधक प.रेल के सचिव, वरि.मं.इंजी. (नार्थ) मुंबई सेंट्रल, विशेष कार्य अधिकारी/हाजीपुर के सचिव, वरि.मं.इंजी.(जयपुर), मंडल इंजीनियर /कोटा तथा मंडल इंजीनियर (ट्रैक), सहायक इंजीनियर/ गोधरा इत्यादि विभिन्न पदों पर कार्य किया है। रेलवे स्टॉफ कॉलेज वड़ोदरा में फाउंडेशन कोर्स में स्वर्ण पदक, वर्ष 1993 रेल सप्ताह में महाप्रबंधक स्तर का तथा वर्ष 1995 में उत्कृष्ट कार्य के लिए महाप्रबंधक द्वारा पुरस्कार तथा वर्ष 1996 में पूर्व मध्य रेल हाजीपुर में सराहनीय कार्य करने के लिए रेलमंत्री द्वारा व्यक्तिगत रुप से पुरस्कृत किया गया । आप प्रशिक्षण के सबंध में कनाडा, यू.के., मलेशिया एवं सिंगापुर की यात्रा भी कर चुके हैं। संस्थान आपका हार्दिक स्वागत करता है।



• भारतीय रेल इंजीनियरी सेवा 1987 बैच के श्री संजय कुमार गर्ग ने अगस्त, 2008 में संस्थान में वरिष्ठ प्राध्यापक/कार्य का पदभार संभाल लिया है। इरिसेन में नियुक्ति से पहले आप उप मुख्य इंजी.(सा.)/ओपेन लाईन, मुख्यालय मुंबई छ.शि.ट. में कार्यरत थे। आपने रुड़की विश्वविद्यालय से बी.ई.(सिविल) एवं आइ.आइ.टी. दिल्ली से एम. टेक. की उपाधि प्राप्त की है। इसके पूर्व आपने विभिन्न पदों जैसे : सहा.इंजी. वर्धा, नागपुर मंडल, मं.इंजी./उत्तर सोलापुर मंडल, कार्यकारी इंजीनियर/(नि.) II निर्माण परियोजना, पुणे, उप मुख्य इंजी. (योजना)/ओपेन लाइन, मुंबई, उप मुख्य इंजी.(नि.) जूईनगर, उप मुख्य इंजी.(नि.)पनवेल, व.मं.इंजी./(पूर्व) तथा व.मं.इंजी./(समन्वय),म.रे./मुंबई मंडल पर कार्य किया है। इन स्थानों पर कार्य करते समय आपने विभिन्न महत्वपूर्ण कार्य जैसे वर्धा–बडनेरा तथा दौंड–मनमाड सेक्शन में लगभग 180 कि.मी. पुनर्नवीकरण, दौंड–भिगवन दोहरीकरण की योजना, डिजाइनिंग तथा निष्पादन, म.रे.पर रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर की मैक्रो योजना, पनवेल क्रिक ब्रिज निर्माण, नेरूल/बेलापुर–सीवुड– उन के बीच नई ब्रॉडगेज दैनिक यात्री दोहरी–लाइन का निर्माण, 8 महीने की अल्पावधि में मुंबई–पुणे एक्सप्रेस–वे के आर पार सड़क नीचली पुल की योजना एवं निर्माण, पनवेल कर्जत नई लाइन का निर्माण इत्यादि का कार्य किया है। संस्थान आपका हार्दिक स्वागत करता है।



• भारतीय रेल इंजीनियरी सेवा 1987 बैच के श्री प्रदीप कुमार गर्ग ने 12 अगस्त,2008 को वरिष्ठ प्राध्यापक/रेलपथ-2 का पदभार संभाल लिया है। इरिसेन में नियुक्ति से पहले आप अनुसंधान अभिकल्प मानक संगठन, लखनऊ में निदेशक (ट्रैक मशीन) के पद पर कार्यरत थे। आपने आई.आई.टी. रुड़की से सिविल इंजीनियरी में स्नातक की उपाधि प्राप्त की है। आई.आई.टी. रुड़की से जियोटेक्निकल इंजीनियरिंग में स्नातकोतर में आपने स्वर्ण पदक प्राप्त किया है। मंडल इंजी./म.रे.,मुंबई, उप.मु.इंजी.(नि.) कोंकण रेल, उप.मु.इंजी.(नि.), डिजाईन/छ.शि.ट. मुंबई तथा वरिष्ठ मंडल इंजीनियर (सम.), भोपाल के रुप में कार्य करते हुए रेलपथ अनुरक्षण, रेलपथ योजना तथा निर्माण एवं पुलों के डिजाईन तथा संरचनाओं में आपको विस्तृत अनुभव प्राप्त है। अ.अ.मा.सं. में स्पर्ट कार सहित रेलपथ में विभिन्न अनुसंधान परियोजनाओं में भी आप सहायक रहे हैं। संस्थान आपका हार्दिक स्वागत करता है।



• भारतीय रेल इंजीनियरी सेवा 1990 बैच के श्री नीलमणि ने संस्थान में जून, 08 को प्राध्यापक रेलपथ–3 का पदभार संभाल लिया है। इरिसेन में नियुक्ति होने से पूर्व आप पूर्व रेल/कोलकाता में उप मुख्य सतर्कता/ इंजी. के पद पर कार्यरत थे। आपने आई आई टी, कानपुर से बी. टेक (सिविल) में स्नातक की उपाधि प्राप्त की है। आपने जापान में अर्बन ट्रांसपोर्टेशन के क्षेत्र में जापानी इंटरनेशनल को–ऑपरेशन एजेन्सी में तथा भारतीय रेल पर रेलपथ, पुल एवं कार्य व सामान्य प्रबंधन पर प्रशिक्षण प्राप्त किया है। आपने स.का.इंजी.एवं मं.इंजी./गोमो, पूर्व रेल, मं.इंजी./4/धनबाद, प्रतिनियुक्ति पर डी एम आर सी, दिल्ली में उप मुख्य इंजी.प्लानिंग, उप मुख्य इंजी. / निर्माण, साथ ही उप मुख्य इंजी. / निर्माण, पूर्व रेल/ कोलकाता के पद पर भी कार्य किया है। संस्थान आपका हार्दिक स्वागत करता है।



• श्री नीरज कुमार खरे ने माह जुलाई 2008 में संस्थान में सह प्राध्यापक–2 का पदभार ग्रहण कर लिया है। इसके पूर्व आप मध्य रेल, भुसावल में कार्यकारी इंजी./नि. के रूप में कार्यरत थे। आपने गवर्नमेंट इंजीनियरी कॉलेज, रीवा, मध्य प्रदेश से बी. ई. सिविल की उपाधि प्राप्त की। आपको मध्य एवं पूर्व रेलवे पर मुख्यालय (निर्माण) के साथ –साथ निर्माण के क्षेत्र में विभिन्न पदों पर कार्य करने का गहन अनुभव है। आपको दोहरी लाइनों, नई लाइनों का निर्माण, बड़ी यार्ड का नवीकरण, शेड एवं घाटियों के लिए संरचनागत कार्य का भी अनुभव प्राप्त है। आरएससी, वड़ोदरा में प्रशिक्षण के दौरान आपको निदेशक का स्वर्ण पदक मिला है। पनवेल यार्ड रिमॉडलिंग की योजना एवं निष्पादन के लिए वर्ष 2002 में आपको महाप्रबंधक द्वारा पुरस्कृत किया गया। संस्थान आपका हार्दिक स्वागत



• श्री आर.एल.वासनिक ने माह जुलाई, 08 को संस्थान के सहायक मंडल वित्त प्रबंधक का पदभार ग्रहण कर लिया है। इसके पूर्व आप भुसावल मंडल में वरिष्ठ अनुभाग अधिकारी के पद पर कार्यरत थे। आपने वर्ष 1999 में क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र/भुसावल में प्रशिक्षण के दौरान स्वर्ण पदक प्राप्त किया है। वरिष्ठ मंडल वित्त प्रबंधक/भुसावल के कार्यालय में आग लग जाने से खराब रेकार्ड को नया रुप देने के लिए आप महाप्रबंधक द्वारा पुरस्कृत किए गए। संस्थान आपका हार्दिक स्वागत करता है।

• दिनांक 18 जुलाई, 08 को श्री जी. जी. वारकर ने इरिसेन, पुणे में कार्यालय अधीक्षक–1 के पद का कार्य भार ग्रहण कर लिया है। इसके पूर्व श्री वारकर पुणे मंडल में कार्यालय अधीक्षक–II, गोपनीय अनुभाग में कार्यरत थे। संस्थान आपका हार्दिक स्वागत करता है।

• विदाई

• श्री जयकर शेट्टी, मुख्य कार्यालय अधीक्षक/ इरिसेन, पुणे का स्थानांतरण मुख्य सिगनल एवं दूर संचार विभाग (निर्माण), मध्य रेल, मुंबई में हुआ है। संस्थान आपके उज्जवल भविष्य की कामना करता है।

12. बधाई/शुभकामनाएं

अधिकारियों को जन्म दिवस पर हार्दिक बधाई

01 अक्तूबर – श्री रोहित एल. वासनिक, स.मं.वि.प्र.
17 अक्तूबर – श्री एन.आर.काले, सहायक कार्यकारी इंजीनियर 1
13 नवंबर – श्री अनूप कुमार अग्रवाल, वरिष्ठ प्राध्यापक प्रोजेक्ट

अधिकारियों को विवाह वर्षगांठ पर हार्दिक बधाई

04 अक्तूबर – श्री अनूप कुमार अग्रवाल, वरिष्ठ प्राध्यापक प्रोजेक्ट
15 अक्तूबर – श्री मनोज अरोडा, प्राध्यापक / कार्य
01 दिसंबर – श्री राजेश कुमार, वरिष्ठ प्राध्यापक / रेलपथ–1
09 दिसंबर – श्री नीरज कुमार खरे, सह प्राध्यापक – 2
12 दिसंबर – श्री आर.के.यादव, वरिष्ठ प्राध्यापक /रेलपथ

कर्मचारियों को जन्म दिवस पर हार्दिक बधाई

01 अक्तूबर – श्री जे.एम.पटेकरी,मुख्य तकनीकी सहायक
01 अक्तूबर – श्री पी.विजयन, रसोईया
04 अक्तूबर – श्री कृष्ण बहादुर, रसोईया
06 अक्तूबर – श्री शंकर थोरात, खलासी
10 अक्तूबर – श्री विजय कुमार , वैयक्तिक सहायक
12 अक्तूबर – श्री अनिल पद्मने, तकनीशियन
12 अक्तूबर – श्री गौतम गुंडा, खलासी
25 अक्तूबर – श्री प्रदीप तावडे, तकनीशियन ग्रेड–1
04 नवम्बर – श्री अशोक द. सातपूते, तकनीकी सहायक
16 नवम्बर – श्री शेखलाल मौला, दफ्तरी
27 नवम्बर – श्री युवराज दामू, वरिष्ठ खलासी
03 दिसम्बर – श्री सिराज मोहम्मद, खलासी
08 दिसम्बर – श्री लल्लन श्री शोभाराम, कारपेन्टर ग्रेड 3
15 दिसम्बर – श्री नामदेव वाघू, वरिष्ठ खलासी
20 दिसम्बर – श्री हौसल्या प्रसाद, वरिष्ठ खलासी
23 दिसम्बर – श्री कालीदास उमाजी, प्रयोगशाला परिचर

कर्मचारियों को विवाह वर्षगांठ पर हार्दिक बधाई

10 दिसम्बर – श्रीमती विद्या जम्मा, वैयक्तिक सहायक
13 दिसम्बर – श्री शिवाजी तावडे. , तकनीशियन – II
20 नवंबर – श्री जी.जी.वारकर, कार्यालय अधीक्षक – I

13. शब्द ज्ञान

General conditions	सामान्य शर्तें	Green hand	अनाड़ी
Genuine statement	यथार्थ कथन	Grievance redressal	शिकायत निवारण
Good Conduct	सदाचरण	Gross error	घोर त्रुटि, भारी गलती
Grace period	रियायत–अवधि	Gross mistake	भारी भूल
Grant-in-aid	सहायता अनुदान	Gross neglect	घोर उपेक्षा

14. सृजन

मनुष्य की मनुष्यता तभी तक है जब तक वह प्रकृति से ऊपर उठने के लिए संघर्ष करता रहता है। प्रकृति दो प्रकार की होती है : आंतरिक और बाह्य। बाह्य प्रकृति को अपने वश में कर लेना बडी अच्छी और गौरव की बात है, परंतु आंतरिक प्रकृति पर विजय प्राप्त करना उससे भी अधिक गौरव की बात है। ग्रहों और तारों का नियमन करने वाले नियमों का ज्ञान प्राप्त कर लेना गौरवपूर्ण है, पर मानव जाति की कामनाओं, भावनाओं और ईच्छाओं का नियमन करने वाले नियमों का ज्ञान प्राप्त कर लेना अत्यंत गौरवपूर्ण है। इति.

अरुणाभा ठाकुर
राजभाषा अधीक्षक

आपका पत्र

ज्ञानदीप अप्रैल–जून 2008 मिला। प्रकाशित सामग्री उच्च कोटि की है, जो काफी ज्ञानवर्धक है। श्रेष्ठ संपादन व प्रकाशन के लिए साधुवाद।

सत्येंद्र सिंह
वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी

प्रार्थना आत्मशुद्धि का आह्वान है, यह विनम्रता का द्योतक है, प्रार्थना पश्चाताप का एक चिन्ह है। प्रार्थना हमारे अधिक शुद्ध होने की आतुरता को सूचित करती है। **महात्मा गांधी**

मनोज अरोड़ा, उप मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्राध्यापक/कार्य, भारतीय रेल सिविल इंजीनियरी संस्थान, पुणे–1 द्वारा केवल सीमित निशुल्क वितरण हेतु प्रकाशित एंव मेसर्स, **कल्याणी कॉर्पोरेशन,** 1464, सदाशिव पेठ, पुणे– 411030. फोन : 24486080 द्वारा मुद्रित। (3000 प्रतियां)